पालमपुर गाँव की कहानी

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» पालमपुर: खेती और गैर-कृषि उत्पादन की तस्वीर

प्रश्न 1 (आसान). पालमपुर में मुख्य उत्पादन गतिविधि क्या है?
उत्तर – खेती

प्रश्न 2 (आसान). पालमपुर में गैर-कृषि गतिविधियाँ किस स्तर पर होती हैं?
उत्तर – सीमित स्तर पर

प्रश्न 3 (आसान). गैर-कृषि गतिविधि का एक उदाहरण लिखिए।
उत्तर – लघु-स्तरीय विनिर्माण/डेयरी/परिवहन (कोई एक)

प्रश्न 4 (मध्यम). अगर बिजली और सड़क बेहतर हों, तो उत्पादन पर क्या असर पड़ेगा (पालमपुर जैसे गाँव में)?
उत्तर – बिजली से सिंचाई और छोटे कार्यों में आसानी होती है, सड़क/परिवहन से बाजार तक माल पहुँचाना आसान होता है–इससे उत्पादन गतिविधियाँ चलना/बढ़ना आसान होता है।

प्रश्न 5 (कठिन). पालमपुर की तस्वीर समझाते हुए बताइए: खेती मुख्य क्यों कही जाती है और फिर भी गैर-कृषि काम क्यों दिखते हैं?
उत्तर – खेती में अधिकांश लोग रोज़ी के लिए लगे होते हैं और उत्पादन का केंद्र वही है–इसलिए खेती मुख्य है। फिर भी गाँव में संसाधन, श्रम और सुविधाएँ (जैसे सड़क, बिजली) होने से लघु विनिर्माण, डेयरी और परिवहन जैसे काम सीमित स्तर पर भी चल पड़ते हैं।

» उत्पादन के चार आवश्यक संसाधन (कारक)

प्रश्न 6 (आसान). उत्पादन का पहला कारक कौन-सा है?
उत्तर – भूमि तथा अन्य प्राकृतिक संसाधन

प्रश्न 7 (आसान). 'श्रम' से क्या समझते हैं?
उत्तर – जो लोग काम करेंगे–मानवीय काम

प्रश्न 8 (मध्यम). भौतिक पूँजी में क्या-क्या आता है? (एक उदाहरण भी बताओ)
उत्तर – उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले उपकरण/मशीन/इमारतें/साधन; जैसे ट्रैक्टर या मशीन

प्रश्न 9 (कठिन). ज्ञान/उद्यम और श्रम में फर्क बताओ।
उत्तर – श्रम काम करने वाले लोगों की मेहनत है, जबकि ज्ञान/उद्यम उत्पादन की योजना, निर्णय, नई विधि, जोखिम लेकर काम शुरू करना/संचालन है

» भौतिक पूँजी: स्थायी बनाम कार्यशील

प्रश्न 10 (आसान). स्थायी पूँजी में कौन-सी वस्तु आएगी–भवन या कच्चा माल?
उत्तर – भवन (स्थायी पूँजी)

प्रश्न 11 (आसान). कार्यशील पूँजी आमतौर पर किस तरह खर्च होकर समाप्त होती है?
उत्तर – उत्पादन-प्रक्रिया के दौरान खर्च होकर समाप्त हो जाती है

प्रश्न 12 (मध्यम). एक जनरेटर (विद्युत मशीन) और बिजली खरीदने के लिए दिया गया नकद–इनको स्थायी और कार्यशील में बाँटो।

उत्तर – जनरेटर = स्थायी पूँजी; बिजली खरीदने का नकद = कार्यशील पूँजी

प्रश्न 13 (कठिन). एक करखाने में उत्पादन के लिए: कच्चा माल (मिट्टी/रसायन), काम करने के लिए उपकरण (मशीन), और भंडारण का गोदाम–साथ ही मजदूरी देने की नकद रकम। बताओ कौन-सी स्थायी और कौन-सी कार्यशील पूँजी है, और क्यों?

उत्तर – स्थायी: मशीन/उपकरण और गोदाम (कई वर्षों तक उपयोग)। कार्यशील: कच्चा माल और मजदूरी देने की नकद रकम (उत्पादन के दौरान खर्च होकर समाप्त)

» खेती में भूमि की स्थिरता और सिंचाई का महत्व

प्रश्न 14 (आसान). पालमपुर में खेती में प्रयुक्त भूमि-क्षेत्रा के बारे में क्या कहा गया है?

उत्तर – भूमि-क्षेत्रा वस्तुतः स्थिर है।

प्रश्न 15 (आसान). जब भूमि नहीं बढ़ती, तब उत्पादन बढ़ाने का रास्ता किसमें दिखता है?

उत्तर – सिंचाई की व्यवस्था विकसित करने में।

प्रश्न 16 (मध्यम). पालमपुर में निजी नलवृप लगाने से क्या परिणाम निकला?

उत्तर – 1970 दशक के मध्य तक लगभग 200 हेक्टेयर पूरे जुते हुए क्षेत्र में सिंचाई होने लगी।

प्रश्न 17 (कठिन). बिजली आने से सिंचाई की पद्धति कैसे बदली और इसका खेती पर क्या असर पड़ा?

उत्तर – बिजली जल्दी आने से सिंचाई की पद्धति बदली–पहले कुओं से रहट द्वारा पानी निकाला जाता था, बाद में बिजली से चलने वाले नलवृप ज्यादा प्रभावी बने; इससे अधिक क्षेत्र सिंचित हुआ और साल में कई अलग-अलग फसलें संभव हुईं।

» एक ही भूमि पर उत्पादन बढ़ाना: बहुविध फसल प्रणाली

प्रश्न 18 (आसान). बहुविध फसल प्रणाली का मतलब क्या है?

उत्तर – एक ही भूमि पर एक वर्ष में एक से अधिक फसलें पैदा करना।

प्रश्न 19 (आसान). पालमपुर में खरीफ की एक फसल कौन-सी है?

उत्तर – ज्वार-बाजरा।

प्रश्न 20 (मध्यम). पालमपुर में रबी की फसल का उदाहरण क्या है? और बीच में कौन-सी तीसरी फसल ली जाती है?

उत्तर – रबी में गेहूँ और बीच में आलू।

प्रश्न 21 (कठिन). अगर जमीन फिक्स है और नई जमीन नहीं बढ़ रही, तो उत्पादन बढ़ाने के लिए पालमपुर में सबसे निर्णायक भूमिका किसकी रही?

उत्तर – सिंचाई की–नलवृप/निजी नलवृप और बिजली से सिंचाई, जिससे साल में कई फसलें ली जा सकीं।

» आधुनिक कृषि विधियाँ: बीज, उर्वरक और लागत-परिणाम

प्रश्न 22 (आसान). HYV बीजों का मतलब क्या होता है?

उत्तर – अधिक उपज वाले बीज (High Yield Variety)

प्रश्न 23 (आसान). आधुनिक कृषि में सिंचाई की क्या भूमिका होती है?

उत्तर – पानी सही समय पर देना ताकि HYV बीजों से अधिक उपज हो सके

प्रश्न 24 (मध्यम). रासायनिक उर्वरक लगातार/अधिक मात्रा में देने से कौन-सी दो समस्याएँ हो सकती हैं?

उत्तर – मिट्टी की उर्वरता घट सकती है और भौमजल/जलस्रोत प्रदूषित हो सकते हैं

प्रश्न 25 (कठिन). किसान को लागत क्यों बढ़ती महसूस होती है, जबकि शुरुआत में उपज बढ़ती दिखती है?
उत्तर – समय के साथ मिट्टी की गुणवत्ता गिरती है और भौमजल पर असर होता है; वही उत्पादन बनाए रखने को अधिक उर्वरक, अधिक इनपुट और ज्यादा पानी/संसाधन चाहिए–इससे खर्च बढ़ता है

» भूमि का असमान वितरण और छोटे/मझोले/बड़े किसान

प्रश्न 26 (आसान). भूमि के असमान वितरण में 'असमान' का मतलब क्या है?
उत्तर – कुछ के पास कम जमीन और कुछ के पास ज्यादा जमीन होना।

प्रश्न 27 (आसान). पालमपुर में छोटे किसान किन खेतों पर खेती करते हैं?
उत्तर – छोटे-छोटे टुकड़ों/छोटे भू-खंडों पर।

प्रश्न 28 (मध्यम). अगर जमीन बँटकर छोटे हिस्सों में हो जाए, तो किसान की समस्याएँ क्यों बढ़ सकती हैं?
उत्तर – क्योंकि खेत छोटा होने से उत्पादन/आय सीमित रहती है और बेहतर सिंचाई व आधुनिक तरीकों का खर्च भी आसानी से नहीं निकलता।

प्रश्न 29 (कठिन). पालमपुर के मझोले/बड़े किसानों के पास तुलनात्मक रूप से अवसर ज्यादा क्यों होते हैं?
उत्तर – क्योंकि उनके पास 2 हेक्टेयर से अधिक और कुछ के पास 10 हेक्टेयर+ जैसी जमीन होती है, जिससे अधिक उत्पादन, बेहतर निवेश और अतिरिक्त काम की जरूरत अपेक्षाकृत कम हो सकती है।

» श्रम की व्यवस्था, मजदूरी और रोजगार की अनिश्चितता

प्रश्न 30 (आसान). छोटे किसान श्रम की व्यवस्था कैसे करते हैं?
उत्तर – वे अपने परिवार के साथ खुद खेत में काम करके श्रम की व्यवस्था करते हैं।

प्रश्न 31 (आसान). मजदूरी किस-किस रूप में मिल सकती है?
उत्तर – नकद या वस्तु (जैसे अनाज) के रूप में।

प्रश्न 32 (मध्यम). यदि किसी फसल की बुआई में मजदूरी कटाई से अलग हो, तो इसका कारण क्या होगा?
उत्तर – क्योंकि मजदूरी एक फसल से दूसरी फसल और अलग कृषि कार्य के अनुसार बदलती है।

प्रश्न 33 (कठिन). एक श्रमिक दैनिक मजदूरी पर काम करता है। अगर एक महीने में उसे 10 दिन काम मिलता है और मजदूरी 130 रु./दिन है, तो अगले महीने काम 6 दिन और मजदूरी 120 रु./दिन हो जाए, तो दोनों महीनों में आय का अंतर निकालो।
उत्तर – पहले महीने की आय = 10×130=1300 रु. दूसरे महीने की आय = 6×120=720 रु. अंतर = 1300−720 = 580 रु.

» पूँजी: बचत, उधार और कार्यशील पूँजी की जरूरत

प्रश्न 34 (आसान). छोटे किसान अक्सर पूँजी की व्यवस्था के लिए पैसा कहाँ से लेते हैं?
उत्तर – कर्ज (उधार) लेकर–बड़े किसानों/साहूकारों/व्यापारियों से।

प्रश्न 35 (आसान). कर्ज पर ब्याज ऊँचा होने पर किसान को क्या समस्या होती है?
उत्तर – कर्ज चुकाने के लिए बहुत कष्ट सहने पड़ते हैं।

प्रश्न 36 (मध्यम). कार्यशील पूँजी का मतलब क्या है? दो उदाहरण लिखो।
उत्तर – ऐसा धन जो खेती चलाने/शुरुआत में तुरंत चाहिए। उदाहरण: बीज, कीटनाशक, पानी का भुगतान, औजारों की मरम्मत।

प्रश्न 37 (कठिन). समान भूमि होने पर भी दो किसान–एक छोटा और एक मझोला–अलग स्थिति में क्यों होते हैं? (बचत/उधार/कार्यशील पूँजी का उपयोग करते हुए समझाओ)
उत्तर – छोटे किसान के पास बचत कम होती है, इसलिए कार्यशील पूँजी के शुरुआती खर्चों के लिए उसे उधार लेना पड़ता है और ब्याज का बोझ बढ़ता है। मझोले/बड़े किसान अपनी बचत से अगली फसल की व्यवस्था कर लेते हैं, इसलिए उनका दबाव तुलनात्मक रूप से कम रहता है।

» अधिशेष, बिक्री और पूँजी का पुनर्निवेश

प्रश्न 38 (आसान). अधिशेष का मतलब क्या है?
उत्तर – उत्पादन में से परिवार के उपभोग के बाद जो हिस्सा बच जाए, वही अधिशेष है।

प्रश्न 39 (आसान). बिक्री का मतलब क्या है इस प्रसंग में?
उत्तर – अधिशेष गेहूँ/फसल को बाजार में बेचकर आय कमाना।

प्रश्न 40 (मध्यम). किसान बिक्री से मिली आय का एक हिस्सा कार्यशील पूँजी में क्यों लगाते हैं?
उत्तर – ताकि अगले मौसम की खेती के लिए बीज-पानी-कीटनाशक आदि खर्च पूरे हों और उत्पादन फिर से चले।

प्रश्न 41 (कठिन). मान लो किसी छोटे किसान के पास अधिशेष कम है, तो पूँजी का पुनर्निवेश चक्र क्यों कम चलता है?
उत्तर – अधिशेष कम होने से बिक्री से आय कम होती है; इसलिए वह आय का पर्याप्त हिस्सा अगले मौसम की कार्यशील पूँजी और स्थायी पूँजी बढ़ाने में वापस निवेश नहीं कर पाता।

» गैर-कृषि उत्पादन: डेयरी, लघु विनिर्माण, दुकानदार और परिवहन

प्रश्न 42 (आसान). पालमपुर में खेती के अलावा कौन-कौन सी गैर-कृषि गतिविधियाँ बताई गई हैं?
उत्तर – डेयरी, लघु विनिर्माण, दुकानदार/व्यापार, और परिवहन।

प्रश्न 43 (आसान). दूध बेचने के लिए बाजार-सम्बंध क्यों जरूरी है?
उत्तर – क्योंकि बिना खरीदने/संग्रहण वाले बाजार के दूध की नियमित बिक्री नहीं होगी और आय नहीं बनेगी।

प्रश्न 44 (मध्यम). अगर पालमपुर और शहर के बीच परिवहन ठीक हो जाए, तो गैर-कृषि आय पर क्या असर पड़ेगा?
उत्तर – दूध/गुड़/सामान जल्दी और कम नुकसान में पहुँचेंगे, बिक्री आसान होगी, इसलिए आय के अवसर बढ़ेंगे।

प्रश्न 45 (कठिन). लघु विनिर्माण में 'पारिवारिक श्रम' का महत्व बताइए और यह किस तरह लागत/पूँजी की जरूरत को प्रभावित कर सकता है?
उत्तर – पारिवारिक श्रम होने पर बार-बार मजदूरी खर्च कम पड़ता है, इसलिए मशीनें/भाड़े के मजदूर पर कम खर्च करके छोटे स्तर पर काम शुरू और चलाया जा सकता है।

» भविष्य की दिशा: गैर-कृषि का प्रसार और आवश्यक शर्तें

प्रश्न 46 (आसान). गैर-कृषि कार्यों में खेती की तुलना में भूमि की भूमिका कैसी होती है?
उत्तर – भूमि की जरूरत कम होती है।

प्रश्न 47 (आसान). गैर-कृषि के लिए जरूरी पूँजी में मुख्य समस्या क्या हो सकती है?
उत्तर – पूँजी चाहिए (औजार/दुकान/वाहन), और बिना सस्ते कर्ज के लोग निवेश नहीं कर पाएँगे।

प्रश्न 48 (मध्यम). अगर गाँव को सड़क और परिवहन से अच्छी तरह नहीं जोड़ा जाए, तो गैर-कृषि पर क्या असर होगा?
उत्तर – दूध/सामान सही समय पर नहीं पहुँचेंगे, लागत बढ़ेगी, बिक्री घटेगी और काम टिकना मुश्किल होगा–इससे गैर-कृषि का प्रसार धीमा होगा।

प्रश्न 49 (कठिन). मान लो बाजार पास है, लेकिन ब्याज दर बहुत ऊँची है। क्या गैर-कृषि फिर भी तेजी से फैलेगी? कारण बताओ।
उत्तर – नहीं, क्योंकि उच्च ब्याज से कर्ज महँगा हो जाता है। छोटे उद्यम शुरू/विस्तार के लिए पूँजी नहीं जुटा पाएँगे, इसलिए बाजार पास होने पर भी गैर-कृषि का प्रसार धीमा रहेगा।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. पालमपुर के उदाहरण में बताइए–कौन-कौन सी गतिविधियाँ खेती (कृषि) हैं और कौन-कौन सी गैर-कृषि उत्पादन गतिविधियाँ हैं? और बताइए कि ये गतिविधियाँ कौन-कौन से संसाधनों/सुविधाओं पर निर्भर रहती हैं।

› पहले पहचानो: खेतों से जुड़ी गतिविधियाँ–जैसे ज्वार-बाजरा, आलू, गेहूँ, गन्ना–ये खेती (कृषि) हैं।

› फिर पहचानो: खेती के अलावा अन्य उत्पादन गतिविधियाँ–लघु विनिर्माण, डेयरी, परिवहन, दुकानदारी–ये गैर-कृषि (सीमित स्तर पर) हैं।

› अब संसाधन जोड़ो: भूमि और सिंचाई के लिए प्राकृतिक/भौतिक संसाधन; काम के लिए श्रम; मशीनें/औज़ार व पैसे के लिए भौतिक पूँजी।

› फिर सुविधाएँ: सड़क-परिवहन से बाजार तक पहुंच आसान, बिजली से सिंचाई और अन्य कार्य आसान, स्कूल-स्वास्थ्य से मानव-पूँजी और जीवन-व्यवस्था बेहतर।

उत्तर – खेती: ज्वार-बाजरा, आलू, गेहूँ, गन्ना जैसी फसलें। गैर-कृषि: लघु विनिर्माण, डेयरी, परिवहन, दुकानदारी (सीमित स्तर पर)। निर्भरता: भूमि/प्राकृतिक संसाधन, श्रम, भौतिक पूँजी (औज़ार-मशीनें, कच्चा माल, पैसे) और सुविधाएँ जैसे सड़क-परिवहन, बिजली, शिक्षा-स्वास्थ्य।

उदाहरण 2. पालमपुर में लघु-विनिर्माण इकाई शुरू करने के लिए किन चार उत्पादन संसाधनों की आवश्यकता होगी? हर संसाधन का एक-एक उदाहरण भी लिखो।

› भूमि/प्राकृतिक संसाधन पहचानो: इकाई कहाँ लगेगी और कच्चा माल कहाँ से आएगा

› श्रम पहचानो: काम करने वाले कर्मचारी/मजदूर और उनकी भूमिका

› भौतिक पूँजी पहचानो: मशीनें, औज़ार, भवन जैसी पूँजीगत वस्तुएँ

› ज्ञान/उद्यम पहचानो: उत्पादन की योजना, गुणवत्ता, बाजार-निर्णय

उत्तर – चारों आवश्यक संसाधन हैं–(1) भूमि व अन्य प्राकृतिक संसाधन: कारखाने की जगह और कच्चा माल (जैसे लकड़ी/खनिज/पानी)। (2) श्रम: मशीन चलाने वाले मजदूर/कर्मचारी और कुशल व्यक्ति। (3) भौतिक पूँजी: मशीनें, उपकरण, उपकरणों के लिए भवन/गोदाम। (4) ज्ञान/उद्यम: किस तरह उत्पादन करना है, गुणवत्ता और बिक्री की योजना–उद्यमी का निर्णय व तकनीकी ज्ञान।

उदाहरण 3. पालमपुर की एक छोटी बुनाई इकाई ने एक सप्ताह के उत्पादन के लिए निम्न चीजें इस्तेमाल कीं: (i) 1 बुनाई मशीन, (ii) बुनकर का हल जैसा साधन (औज़ार), (iii) सूत (कच्चा माल), (iv) मजदूरी और बिजली बिल/भुगतान के लिए नकद राशि। बताइए कौन-सी वस्तुएँ स्थायी पूँजी हैं और कौन-सी कार्यशील पूँजी?

› सूची देखें और तय करें: कौन-सी चीजें कई वर्षों तक चलती/बार-बार इस्तेमाल होती हैं–ये स्थायी हैं।

› मशीन और औज़ार को पहचानो: मशीन (बुनाई मशीन) व औज़ार कई वर्षों तक इस्तेमाल होते हैं, इसलिए स्थायी पूँजी में आएँगे।

› अब कच्चा माल और नकद देखें: सूत उत्पादन में लगता है और सप्ताह भर में खत्म/खर्च हो जाता है।

› मजदूरी व बिजली/भुगतान के लिए नकद राशि भी उत्पादन के दौरान खर्च हो जाती है।

› इस तरह (iii) सूत और (iv) नकद राशि कार्यशील पूँजी हैं।

उत्तर – स्थायी पूँजी: बुनाई मशीन, औज़ार (हल जैसा साधन)। कार्यशील पूँजी: सूत (कच्चा माल), मजदूरी/बिजली बिल/भुगतान हेतु नकद मुद्रा।

उदाहरण 4. एक गाँव में खेती का कुल क्षेत्रफल 200 हेक्टेयर ही है, उसे बढ़ाया नहीं जा सकता। बारिश अनियमित है, इसलिए बिना सिंचाई कई हिस्सों में फसल ठीक से नहीं होती। अगर सिंचाई व्यवस्था से 150 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित हो जाता है, तो यह मानो उपज बढ़ाने का "विस्तार वाला रास्ता" नहीं, "उसी भूमि पर बेहतर उत्पादन" वाला रास्ता है। बताइए: इस स्थिति में उत्पादन बढ़ाने का प्रमुख कारण क्या माना जाएगा और क्यों?

› जमीन 200 हेक्टेयर होने से विस्तार का रास्ता बंद है–भूमि स्थिर है।

› बारिश अनियमित है, इसलिए बिना सिंचाई पूरे खेत को भरोसेमंद पानी नहीं मिलेगा।

› सिंचाई होने पर 150 हेक्टेयर को पानी मिलेगा, इसलिए फसल पक्की होगी और उपज बढ़ेगी।

› इसलिए उत्पादन बढ़ाने का प्रमुख कारण सिंचाई व्यवस्था है, न कि नई भूमि।

उत्तर – मुख्य कारण सिंचाई है, क्योंकि भूमि क्षेत्रफल स्थिर है और नई भूमि जोड़कर उत्पादन बढ़ाने की गुंजाइश नहीं रहती; सिंचाई से उसी स्थिर भूमि पर उपज और फसल का भरोसा बढ़ता है।

उदाहरण 5. मान लो पालमपुर जैसे ही एक किसान के पास 1 हेक्टेयर खेत है। अगर वह केवल एक ही फसल (जैसे गेहूँ) उगाता है तो उसकी कुल फसल-उत्पत्ति 200 क्विंटल मान लो। अगर सिंचाई उपलब्ध हो जाए और वह बहुविध फसल प्रणाली अपनाकर एक ही वर्ष में खरीफ में ज्वार-बाजरा, रबी में गेहूँ और बीच में आलू उगा ले, तो मान लो उसकी कुल उत्पत्ति अब 200 क्विंटल से बढ़कर 320 क्विंटल हो जाती है। बताओ–बहुविध फसल प्रणाली अपनाने से उत्पादन में कितनी वृद्धि हुई और कुल उत्पादन कितने क्विंटल हुआ?

› एक ही फसल की स्थिति: कुल = 200 क्विंटल
› बहुविध फसल की स्थिति में कुल उत्पत्ति = 320 क्विंटल
› वृद्धि = 320 − 200 = 120 क्विंटल
› कुल उत्पादन = 320 क्विंटल

उत्तर – उत्पादन में वृद्धि 120 क्विंटल हुई और कुल उत्पादन 320 क्विंटल हो गया।

उदाहरण 6. पालमपुर में एक किसान परंपरागत गेहूं की खेती करता था। उसका उत्पादन 1300 किलोग्राम/हेक्टेयर था। हरित क्रांति के बाद उसने HYV बीज अपनाए और उचित सिंचाई, रासायनिक उर्वरक व कीटनाशक भी इस्तेमाल किए। HYV से उपज 3200 किलोग्राम/हेक्टेयर हो जाती है। 1 हेक्टेयर में अतिरिक्त उत्पादन कितना हुआ, और कितने प्रतिशत वृद्धि हुई?

› अतिरिक्त उत्पादन = 3200 − 1300
› अतिरिक्त उत्पादन = 1900 किलोग्राम
› प्रतिशत वृद्धि = (अतिरिक्त उत्पादन / पुराना उत्पादन) × 100
› प्रतिशत वृद्धि = (1900 / 1300) × 100
› 1900/1300 = 19/13 1.4615
› प्रतिशत वृद्धि 146.15%

उत्तर – अतिरिक्त उत्पादन 1900 किलोग्राम/हेक्टेयर है और उपज में लगभग 146.15% वृद्धि हुई।

उदाहरण 7. पालमपुर में मान लो एक परिवार के पास कुल 3.0 हेक्टेयर भूमि थी। अगर वह भूमि 4 बेटों में बराबर बाँट दी जाए, तो हर बेटे के हिस्से में कितनी भूमि आएगी? फिर बताइए–क्या यह स्थिति छोटे किसान की श्रेणी (छोटा भू-खंड) जैसी बन सकती है?

› कुल भूमि = 3.0 हेक्टेयर
› बेटों की संख्या = 4
› हर बेटे का हिस्सा = 3.0 ÷ 4 = 0.75 हेक्टेयर
› 0.75 हेक्टेयर छोटा हिस्सा है, इसलिए यह छोटे भू-खंड जैसी स्थिति बनती है

उत्तर – हर बेटे को 0.75 हेक्टेयर भूमि मिलेगी। यह छोटा भू-खंड है, इसलिए यह छोटे किसान जैसी स्थिति हो सकती है।

उदाहरण 8. पालमपुर में एक भूमिहीन श्रमिक (जैसे डाला) दैनिक मजदूरी पर काम करता है। कटाई के मौसम में उसे 15 दिन काम मिला और प्रत्येक दिन मजदूरी 150 रु. नकद थी। कटाई के बाद बाकी महीनों में उसे केवल 5 दिन काम मिला और उस समय मजदूरी 120 रु. प्रति दिन थी। बताइए: (i) कटाई मौसम में उसकी कुल कमाई (ii) बाद के 1 महीने/अवधि में कुल कमाई (iii) दोनों मिलाकर कुल कितनी मजदूरी हुई?

› कटाई मौसम कमाई = 15 दिन × 150 रु. = 2250 रु.
› कटाई के बाद कमाई = 5 दिन × 120 रु. = 600 रु.
› कुल कमाई = 2250 रु. + 600 रु. = 2850 रु.

उत्तर – कटाई में कुल 2250 रु., बाद में 600 रु., दोनों मिलाकर कुल 2850 रु. मजदूरी हुई।

उदाहरण 9. सविता (एक छोटी किसान) को गेहूँ बोने के लिए शुरुआती खर्च–बीज, कीटनाशक, पानी का भुगतान और औजारों की मरम्मत–के लिए कुल ₹25,000 कार्यशील पूँजी चाहिए। उसके पास सिर्फ ₹10,000 बचत है। वह बाकी ₹15,000 कर्ज से लेती है। अगर कर्ज पर उसे फसल के बाद ब्याज समेत ₹18,000 चुकाने पड़ें, तो बताइए: (i) उसकी उधार की राशि कितनी है? (ii) कुल जो राशि उसे वापिस देनी पड़ेगी वह कितनी है? (iii) कर्ज का कारण कार्यशील पूँजी की जरूरत है–इसे एक लाइन में लिखिए।

› उधार की राशि = कुल जरूरत − बचत = 25,000 − 10,000
› कर्ज के जरिए चुकाई जाने वाली कुल रकम = ब्याज समेत दिया गया भुगतान = 18,000
› कारण लिखो: खेती शुरू/चलाने के लिए तुरंत चाहिए धन = कार्यशील पूँजी

उत्तर – (i) उधार की राशि ₹15,000 है। (ii) कर्ज सहित चुकानी जाने वाली कुल राशि ₹18,000 है। (iii) कर्ज इसलिए लिया क्योंकि बीज-पानी-कीटनाशक जैसे शुरुआती 'कार्यशील पूँजी' खर्चों के लिए तुरंत पैसा चाहिए था।

उदाहरण 10. तेजपाल सिंह को अपनी खेती से 350 क्विंटल अधिशेष गेहूँ मिलता है। वह इसे रायगंज की बाजार में बेचते हैं और 1 क्विंटल की कीमत 2,000 रुपये है। बिक्री से कुल आय में से वह 40% अगले मौसम की कार्यशील पूँजी (बीज, पानी, कीटनाशक, मरम्मत) में लगाता है और बाकी 60% में से कुछ हिस्सा स्थायी पूँजी (दूसरे ट्रैक्टर के लिए) के रूप में लगाना तय करता है। कुल आय कितनी होगी? कार्यशील पूँजी और स्थायी पूँजी में कितनी राशि जाएगी?

› कुल आय = 350 क्विंटल × 2,000 रुपये/क्विंटल
› कार्यशील पूँजी = कुल आय का 40%
› स्थायी पूँजी के लिए = कुल आय का 60%

उत्तर – कुल आय = 350 × 2,000 = 7,00,000 रुपये। कार्यशील पूँजी = 40% of 7,00,000 = 2,80,000 रुपये। स्थायी पूँजी/ट्रैक्टर के लिए = 60% of 7,00,000 = 4,20,000 रुपये।

उदाहरण 11. पालमपुर में एक परिवार डेयरी शुरू करना चाहता है। उसके पास भैंसें हैं, लेकिन पास के शहर तक दूध पहुँचाने के लिए ठीक परिवहन नहीं है और बाजार भी दूर है। परिवार सोचता है–क्या गैर-कृषि (डेयरी) का काम शुरू करना संभव होगा? आप बताइए कौन-कौन सी शर्तें पूरी होनी चाहिए (पूँजी, श्रम, बाजार/पहुंच) और इनमें कौन-सी कमी आय के अवसर घटाएगी।

› पहले पहचानो: डेयरी गैर-कृषि उत्पादन है क्योंकि कमाई दूध बेचकर होती है।
› पूँजी देखें: चारा, सफाई, टैंक/भंडारण, और परिवहन में खर्च (और शुरू में व्यवस्था) चाहिए।
› श्रम देखें: दूध निकालने व देखभाल के लिए परिवार का नियमित काम या समय-समय पर मजदूर चाहिए।
› बाजार-सम्बंध देखें: दूध कहाँ बिकेगा–निकट का दूध संग्रहण/शीतलन या शहर के व्यापारी/दुकान।
› पहुंच/परिवहन देखें: बिना अच्छे परिवहन के दूध जल्दी खराब हो सकता है, बिक्री घटेगी और आय के मौके कम होंगे।
› निष्कर्ष लिखो: काम तभी टिकेगा जब पूँजी + श्रम + बाजार-सम्बंध + परिवहन मिलकर बिक्री को नियमित रखें।

उत्तर – डेयरी शुरू करना संभव है, पर इसके लिए पूँजी (चारा/देखभाल/व्यवस्था), श्रम (दूध निकालना-देखभाल), और बाजार-सम्बंध (कहाँ बेचेंगे) जरूरी हैं। अगर परिवहन/पहुंच कमजोर है और बाजार दूर है, तो दूध समय पर नहीं पहुँचेगा, बिक्री कम होगी और आय के अवसर घटेंगे–इसलिए गैर-कृषि काम टिकेगा तभी जब परिवहन और बाजार का जुड़ाव मजबूत हो।

उदाहरण 12. मान लो पालमपुर जैसे गाँव में गैर-कृषि का विस्तार करना है। गाँव में भूमि कम है, लेकिन सरकार ने खेती के मुकाबले गैर-कृषि को बढ़ाने की योजना बनाई। अगर (i) ब्याज दर ऊँची रहे, (ii) नजदीकी कस्बे में ग्राहक/खरीदार कम हों, और (iii) गाँव को सड़क/परिवहन से ठीक से न जोड़ा जाए, तो बताइए–गैर-कृषि का प्रसार क्यों धीमा पड़ेगा? किन शर्तों को पूरा करना सबसे जरूरी है?

› पहचानो: गैर-कृषि में खेती जैसी जमीन की भूमिका कम होती है, इसलिए भूमि की कमी बाधा नहीं है।
› फिर कारण देखो: गैर-कृषि के लिए पूँजी चाहिए–ऊँचे ब्याज का मतलब है कि छोटे लोग शुरू/विस्तार नहीं कर पाएँगे।
› बाजार चेक करो: अगर खरीदार कम होंगे तो वस्तु/सेवा बिकेगी नहीं, इसलिए लाभ नहीं होगा।
› पहुंच देखो: सड़क/परिवहन कमजोर होगा तो समय पर पहुँच नहीं होगी, लागत बढ़ेगी और बिक्री प्रभावित होगी।
› निष्कर्ष: कर्ज कम, बाजार पर्याप्त, और सड़क/परिवहन सुविधाएँ–ये तीनों पूरी हों तभी प्रसार तेज होगा।

उत्तर – गैर-कृषि में भूमि की जरूरत कम हो सकती है, लेकिन प्रसार धीमा पड़ेगा क्योंकि (i) ऊँचा ब्याज कर्ज लेने और

निवेश करने को रोक देगा, (ii) कम बाजार/खरीदार बिक्री और लाभ घटा देंगे, (iii) सड़क/परिवहन कमजोर होने से सामान/दूध सही समय पर नहीं पहुँच पाएगा। इसलिए आवश्यक शर्तें हैं: कम ब्याज पर कर्ज, पर्याप्त बाजार, और सड़क/परिवहन/सुविधाओं से गाँव का जुड़ाव।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

- पालमपुर में 'मुख्य' और 'सीमित' शब्द जरूर लिखो–खेती vs गैर-कृषि।
- याद रखें: 'भौतिक पूँजी' = मशीनें/उपकरण/इमारतें, सिर्फ पैसा नहीं।
- उत्तर लिखते समय दो वर्ग जरूर लिखो–औज़ार/मशीन/भवन (स्थायी) और कच्चा माल/नकद (कार्यशील)।
- उत्तर में कारण-परिणाम लिखो: भूमि स्थिर विस्तार नहीं सिंचाई से उपज/फसल-चक्र बढ़ता है।
- 1-2 लाइन में परिभाषा + पालमपुर के उदाहरण लिखो।
- उत्तर में 'लाभ (उपज)' के साथ 'हानि (मिट्टी/भौमजल) और लागत' जरूर लिखो।
- उत्तर में हमेशा 'कम जमीन संघर्ष' और 'ज्यादा जमीन अवसर' का कारण-परिणाम लिखो।
- उत्तर में 3 चीजें लिखो: व्यवस्था, मजदूरी का रूप/बदलाव, और रोजगार की अनिश्चितता।
- उत्तर लिखते समय तीन शब्द जरूर जोड़ो: बचत, उधार, कार्यशील पूँजी–और उधार का कारण 'तुरंत खर्च' बताओ।
- परीक्षा में 'अधिशेष' और 'पुनर्निवेश' का संबंध जरूर लिखना–यही फर्क बनाता है।
- उत्तर लिखते समय हर गतिविधि के साथ 'पूँजी-श्रम-बाजार/परिवहन' जरूर जोड़ो।
- उत्तर में 3 शर्तें जरूर लिखना: कम ब्याज कर्ज, पर्याप्त बाजार, सड़क/परिवहन।

एक नज़र में रिवीज़न

› मुख्य: खेती; साथ: सीमित गैर-कृषि; सहारा: संसाधन+सुविधाएँ।
› - भू-श्रम-पूँजी-ज्ञान = 4 कारक
› - स्थायी: मशीन/औज़ार/भवन; कार्यशील: कच्चा माल/नकद
› - जमीन स्थिर, पैदावार बढ़ाने के लिए सिंचाई निर्णायक।
› एक खेत, साल में कई फसलें = बहुविध फसल
› - HYV + Water + Fertilizer = उपज, पर अत ि से लागत व पर्यावरण नुकसान
› - छोटा खेत = टुकड़े, संघर्ष ज्यादा; बड़ा खेत = अवसर ज्यादा।
› - छोटे: परिवार श्रम | बड़े: किराया | मजदूरी बदलती | रोजगार अनिश्चित।
› - कार्यशील पूँजी = फटाफट शुरुआती खेती के खर्च
› अधिशेष बेचो, आय वापस खेती में–कार्यशील + स्थायी
› - डेयरी-लघु विनिर्माण-दुकान-परिवहन: पूँजी, श्रम, बाजार, परिवहन
› कर्ज कम + बाजार पास + सड़क-परिवहन–यही गैर-कृषि का आधार